RNI No. DDHIN/2021/81605
संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक
DARE TO SHARE

सुविचार

लोग आप के प्रशंसक है तो यह आप की योग्यता है और अगर लोग आप से जलते है तो यह आप का जलवा है।

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप-संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 33 || दमण गुरुवार, 13 मार्च 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

वलसाड के कस्तूरबा अस्पताल में लापरवाही की हद! गलत इलाज देकर मरीज की जान खतरे में डाली

क्या अब भी अस्पताल प्रशासन सोता रहेगा?

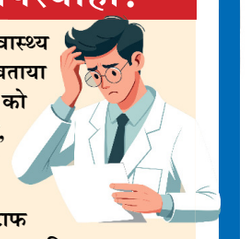

- क्या जिला स्वास्थ्य विभाग इस मामले में डॉक्टर की डिग्री रद्द करेगा?
- क्या इस लापरवाही के लिए डॉक्टर और अस्पताल पर केस दर्ज होगा?
- कस्तूरबा अस्पताल में और कितने मरीजों के साथ इस तरह की लापरवाही हो चुकी है?

डॉक्टर की अज्ञानता और अस्पताल की लापरवाही से मरीज की हालत बिगड़ी, परिवार ने की सख्त कार्रवाई की मांग

वलसाड

सरकारी अस्पतालों में लापरवाही के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वलसाड के आज़ाद चौक स्थित कस्तूरबा अस्पताल में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने का एक और गंभीर मामला सामने आया है। डॉक्टरों की लापरवाही और गलत इलाज के कारण एक मरीज की जान खतरे में पड़ गई। डॉक्टरों ने मरीज की बीमारी को पहचानने में बुरी तरह असफल रहे, गलत इलाज दिया और अंत में मरीज को गंभीर स्थिति में छोड़कर घर भेज दिया। अब मरीज की पत्नी ने डॉक्टरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और डॉक्टर की डिग्री रद्द करने की मांग की है।

कैसे की गई घोर लापरवाही?

लताबेन भरतभाई रावल ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी को दी गई शिकायत में बताया कि उनके पति भरतभाई रावल को 22 फरवरी 2025 को तेज पेट दर्द, उल्टी और बुखार होने पर कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. विवेक चौरसिया और अस्पताल स्टाफ ने मरीज को तुरंत इलाज देने के बजाय उनकी गलत बीमारी बताकर फर्जी इलाज शुरू कर दिया। 24 फरवरी को मरीज की सोनोग्राफी करवाई गई, लेकिन डॉक्टर ने इसे सही से देखने की जहमत तक नहीं उठाई। उन्होंने बीमारी को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि मरीज को फैटी लिवर और लीवर में सूजन है। डॉक्टरों ने इस गलत निदान के आधार पर मरीज को गलत दवाइयां, इंजेक्शन और बोतलें चढ़ाईं, जिससे न सिर्फ बीमारी का सही इलाज नहीं हुआ, बल्कि मरीज की हालत और बिगड़ती गई।

लोटस अस्पताल में खुली पोल, कस्तूरबा अस्पताल की बड़ी लापरवाही उजागर

जब 3 मार्च को मरीज की हालत और बिगड़ गई, तो लताबेन उन्हें वलसाड के लोटस अस्पताल लेकर गईं। वहां डॉ. कल्पेश जोशी ने तुरंत जांच करवाई और सोनोग्राफी के बाद चौंकाने वाला खुलासा हुआ। डॉ. संजीव देसाई ने बताया कि मरीज को एपेंडिक्स में पस हो गया था और अगर तुरंत ऑपरेशन न किया जाता, तो संक्रमण पूरे शरीर में फैल सकता था, जिससे जान का खतरा था।

लोटस अस्पताल के डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की, जिसमें मरीज के पेट से बड़ा पस निकाला गया। ऑपरेशन सफल होने के बाद मरीज की हालत में सुधार हुआ और 6 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डॉक्टर ने दी झूठी तसल्ली, मरीज को तड़पता छोड़ दिया

26 फरवरी तक मरीज को सही इलाज नहीं मिलने के बावजूद डॉक्टर ने उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। जब मरीज ने शिकायत की कि दर्द और बुखार लगातार बढ़ रहा है, तब डॉ. विवेक चौरसिया ने केवल दवाएं लिखकर 3 मार्च को दोबारा दिखाने की सलाह दी।

परिवार को अस्पताल पर भरोसा था, लेकिन यह भरोसा डॉक्टर की लापरवाही और गैरजिम्मेदारी के कारण टूट गया। अस्पताल में भर्ती रहने और दवाओं पर 30,000 खर्च हो गए, लेकिन मरीज की तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ।

कस्तूरबा अस्पताल और डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

लताबेन रावल ने डॉ. विवेक चौरसिया और कस्तूरबा अस्पताल के गैर-जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि—

- ☐ डॉक्टर की अयोग्यता के कारण सही बीमारी पकड़ में नहीं आई।
- ☐ गलत दवाइयां देकर मरीज की हालत खराब कर दी गई।
- ☐ मरीज को सही इलाज देने की बजाय गलत रिपोर्ट के आधार पर इलाज किया गया।
- ☐ मरीज की जान पर बन आई, फिर भी डॉक्टरों ने गंभीरता नहीं दिखाई।
- ☐ 30,000 खर्च करवाकर गलत इलाज दिया गया।

Dare To Share यह मांग करता है कि इस गंभीर लापरवाही के खिलाफ तुरंत जांच हो और दोषी डॉक्टर पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। अगर समय पर सही इलाज न मिलता, तो यह मामला मरीज की मौत में बदल सकता था। सरकारी अस्पतालों में ऐसी लापरवाहियां कब तक चलती रहेंगी?

दमन : स्पा की आड़ में अनैतिक कार्यों का भंडाफोड़, महिला गिरफ्तार, 5 पीड़ितों का बचाव

जब्त की गई सामग्री

- Realme कंपनी का मोबाइल
- Vivo कंपनी का मोबाइल
- नकद राशि

दमन

12 मार्च – दमन पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे अनैतिक कार्यों का पर्दाफाश करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया और पांच पीड़ित महिलाओं को बचाया। यह कार्रवाई होटल सलमान, नानी दमन में स्थित खुशी स्पा में की गई, जहां महिलाओं को देह व्यापार में धकेला जा रहा था।

प्रशासन को सख्त कार्रवाई की जरूरत

इस घटना ने दमन और आसपास के इलाकों में तेजी से फल-फूल रहे अनैतिक कार्यों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह सिर्फ एक स्पा तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य होटलों और गेस्टहाउस में भी ऐसे काले धंधे संचालित हो रहे हैं। पुलिस को चाहिए कि वह सिर्फ एक मामले पर कार्रवाई करके न रुके, बल्कि दमन, वापी, सिलवासा, भिलाड और आसपास के क्षेत्रों में चल रहे ऐसे अवैध रैकेट को पूरी तरह जड़ से खत्म करे।

गिरफ्तारी और जब्ती

पूछताछ में पता चला कि स्पा की रिसेप्शनिस्ट उषा सिंह (निवासी: वापी, गुजरात) अपने आर्थिक लाभ के लिए महिलाओं से अनैतिक कार्य करवाती थी। डमी ग्राहक द्वारा दिए गए नकद रुपए उसी महिला के पास से बरामद हुए। पुलिस ने उषा सिंह को Immoral Trafficking (Prevention) Act, 1956 की धारा 3, 4 और 5 के तहत गिरफ्तार कर लिया।

कैसे हुआ खुलासा?

11 मार्च 2025 को नानी दमन पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि होटल सलमान के पहले माले पर स्थित खुशी स्पा में अनैतिक कार्य किए जा रहे हैं। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम ने एक डमी ग्राहक को नकद रुपए देकर भेजा। जब इस बात की पुष्टि हुई, तो पुलिस टीम ने वहां छापा मारा और पांच महिलाओं को बंधनमुक्त किया।

महिलाओं के पुनर्वास की जरूरत

इस तरह के मामलों में सबसे अधिक शोषण का शिकार महिलाएं होती हैं, जिन्हें मजबूरी में इस दलदल में धकेल दिया जाता है। प्रशासन और सामाजिक संगठनों (NGOs) को इन महिलाओं के पुनर्वास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इन्हें सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार, कौशल विकास और सुरक्षित नौकरियों से जोड़ा जाना चाहिए ताकि वे इस अंधेरे से बाहर निकल सकें।

पुलिस और कलेक्टर को विशेष ध्यान देना चाहिए

दमन में लगातार स्पा और मसाज पार्लर की आड़ में अनैतिक कार्यों की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन और दमन के कलेक्टर को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि कोई भी महिला इस गंदे खेल का शिकार न बने।

"दमन को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है, तो ऐसे अवैध धंधों पर पूरी तरह रोक लगानी होगी।"

संपादकीय

विपक्षी संगठन विचलित

पिछले वर्ष अर्थात् ई. एस। 2024 के आम चुनावों के लगभग एक साल बाद, भारतीय राजनीति में एक नई हलचल देखने को मिल रही है, क्योंकि राजनीतिक दल बदली परिस्थितियों के अनुरूप एक-एक करके अपनी स्थिति बदल रहे हैं। भारत गठबंधन के बैनर तले तथाकथित राष्ट्रीय विपक्ष के रूप में एक साथ आए गैर-भाजपा दलों का अब कोई साझा लक्ष्य नहीं रह गया है। वास्तव में, 2025 के अंत में बिहार और 2026 की शुरुआत में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव इन दलों को और विभाजित कर देंगे और संभवतः इन राज्यों और अन्य जगहों पर राजनीतिक पुनर्गठन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। जिस प्रकार वर्तमान में ग्रहों के गोचर में महासंक्रांतियां हो रही हैं, उसी प्रकार देश की राजनीति में भी आमूलचूल परिवर्तन शुरू हो गया है। देश के महान प्राचीन गणितज्ञ आर्यभट्ट द्वारा आविष्कृत शून्य को कांग्रेस काल में अलग ढंग से लिखा जाने लगा। यह इन सभी दलों की परिवर्तनकारी मनोदशा का प्रारंभिक बिंदु है। कुछ संकेत स्पष्ट हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता प्रकाश करात ने हाल ही में कहा कि भारत गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए है और वह भी कुछ राज्यों तक ही सीमित है। चुनाव समाप्त होते ही इस गठबंधन का अंत शुरू हो गया। अगले साल केरल में वामपंथी और कांग्रेस आमने-सामने होंगे और यह अब तक का उनका सबसे कड़ा मुकाबला होगा। पश्चिम बंगाल में वामपंथी और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटी) गठबंधन नहीं करेंगे, जबकि कांग्रेस दोनों के बीच अपने विकल्पों का आकलन करेगी। तमिलनाडु में वामपंथी और कांग्रेस दोनों ही द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) खेमे में हो सकते हैं, लेकिन यह अभी निश्चित नहीं है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बढ़ती कड़वाहट के बीच आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता को पुनर्जीवित कर दिया है और अब वे पंजाब और गोवा में भी अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार हैं। आम चुनावों के बाद के घटनाक्रम से पता चलता है कि यह कोई नया चलन न होकर महज एक संयोग था। गैर-भाजपा दलों के अपने-अपने गणित में व्याप्त अकल्पनीय विरोधाभासों ने 'भारत' को पंगु बना दिया है, हालांकि ये दल अपनी संसदीय रणनीति में कुछ हद तक सुसंगति बनाए रखते हैं। ये पार्टियां चुनावी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और भारत के चुनाव आयोग की जवाबदेही की मांग को लेकर एकजुट हुई हैं। इस बीच, भाजपा ने अपना आधार बढ़ाने के लिए चतुराई से काम किया है और हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनाव जीते हैं। आम चुनाव अलग-अलग लड़ने और तमिलनाडु में भारी हार का सामना करने के बाद, भाजपा और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच भी संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। शिक्षा और भाषा नीति एवं सीमांकन के मुद्दों पर उभरती बहसें राजनीतिक परिवर्तन के एक नए चक्र को जन्म दे रही हैं। देश के कई हिस्सों में क्षेत्रीय दल संकट का सामना कर रहे हैं और उनमें से कुछ के हाशिये पर चले जाने की संभावना बढ़ती जा रही है। लेकिन राजनीतिक गठबंधनों के स्थिर आकार लेने से पहले यह मंथन का चक्र संभवतः कुछ समय तक जारी रहेगा। और इससे जो नई तस्वीर उभरेगी, वह उत्तर-आधुनिक भारत के लिए एक नई राजनीतिक कुंडली तैयार करेगी। कांग्रेस हार पचा नहीं पा रही है। उसे अभी भी आईने में अपने सिर पर मुकुट होने का भ्रम होता है। हार अभी भी एक खतरनाक अवधारणा है। महान ब्रिटिश निबंधकार आर्थर कोस्लर कहते हैं, "हार से दूर रहो, क्योंकि हार की लत लग जाती है।" कांग्रेस की यही स्थिति है। अब कांग्रेस को राज्य स्तर पर भी गठबंधन बनाने में वामनावतार सीखना होगा, अन्यथा उसका खुद का और भी अधिक क्षरण होगा। दिल्ली में कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने का इतिहास अलग है। दुःख के दिनों से कैसे निकला जाए, यह किसी भी व्यक्ति, संगठन या पार्टी के लिए एक कठिन कला है और यदि कोई यह नहीं जानता कि यह कैसे किया जाए, तो वह खुशी के अशांत सागर तक नहीं पहुंच सकता। कांग्रेस को नहीं पता कि यह कैसे किया जाए।

संपादक: मनोज रावल

उमरगाम के कनाड़ में एक किसान ने प्राकृतिक रुप से हल्दी और आम की अंतर-फसल उगाकर लाखों रुपये कमाए।

70 प्रतिशत छाया और 30 प्रतिशत सूर्यप्रकाश की आवश्यकता होती है

हल्दी की सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। हल्दी मई में बोई जाती है और दिसंबर में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। बरसात के मौसम में हल्दी की वृद्धि अवधि चार महीने की होती है, इसलिए पानी कम देना पड़ता है। हल्दी को 70 प्रतिशत छाया और 30 प्रतिशत धूप में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। हम हल्दी की फसल के लिए गौमूत्र, गोबर और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके खाद और दवा बनाते हैं।

भिलाड

किसानों द्वारा अपने खेतों में लगातार रासायनिक कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण कृषि उत्पादकता कम हो रही है। खेतों में खाद की कमी के कारण खेतों की मिट्टी अब पत्थर जैसी होती जा रही है। सरकार भी अब कृषि से जुड़े कार्यक्रमों में किसानों से प्राकृतिक खेती करने का आह्वान कर रही है। नतीजतन, कई किसान अब प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ गए हैं। उमरगाम के कनाडू गांव में तीन एकड़ भूमि पर आम की कलमों के साथ अंतर फसल के रूप में हल्दी की प्राकृतिक खेती की जा रही है। पारडी के खड़की डूंगरी गांव के मूल निवासी और वर्तमान में वापी में रहकर जीआईडीसी में व्यवसाय करने वाले नीरव देसाई के बड़े भाई डॉ. अजयभाई देसाई और परेशभाई देसाई ने कनाडू गांव में तीन एकड़ जमीन पर आम के पौधे लगाए हैं। हल्दी की खेती एक बड़ी फसल के रूप में और एक अंतर फसल के रूप में की जाती है। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वे कम श्रम से हल्दी की बड़ी फसल काट रहे हैं। पिछले साल 6 टन हल्दी का उत्पादन हुआ था। इस साल 8 टन हल्दी उत्पादन का लक्ष्य है। प्राकृतिक हल्दी की खेती के बारे में अपने अनुभव साझा करते हुए, नीरवभाई ने कहा कि उन्होंने अपनी तीन एकड़ जमीन पर आम की विभिन्न किस्में लगाई हैं। जिसमें आम के पेड़ों के बीच एक तालाब बनाया गया है और उसमें हल्दी लगाई गई है। निकट भविष्य में वे अपने खेत में IoT-आधारित प्रणाली भी स्थापित करने जा रहे हैं।

वरोली तलाट कोलक नदी के पानी में एक युवक का शव मिला

कपराडा

कपराडा में वारोली तलत के पास कोलक नदी पर बने पुल के नीचे एक युवक का शव डूबा हुआ मिला। मंगलवार की सुबह-सुबह वारोली तलत के एक व्यक्ति ने राउत फलिया के पास से गुजर रही कोलक नदी के पुल के पास एक एक्टिवा को लावारिस हालत में देखा। नदी के पुल के नीचे जांच करते समय वारोली तलत के एक व्यक्ति ने एक युवक का शव देखा और सरपंच व नेताओं को सूचना दी। घटना की जानकारी नानापोंधा पुलिस को देने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। जांच के दौरान मृतक नयन जशुभाई वाल्वी यू. शव की पहचान कोठार निवासी 20 वर्षीय युवक के रूप में हुई और कोठार गांव के सरपंच और मृतक के परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया। शव को दफनाने के लिए नानापोंधा सीएचसी ले जाया गया। के लिए स्थानांतरित किया गया। घटना के बारे में परिजनों से बात करने पर पता चला कि नयन, जो कि नौकरी नहीं करता था, आर्थिक तंगी के कारण पिछले तीन दिनों से अपनी मोपेड लेकर घर से बाहर जा रहा था।

होली पर घर जाने वाले यात्रियों का हाल बेहाल है।

वापी

होली का त्योहार मनाने के लिए घर लौटने को आतुर यात्रियों की भीड़ ने बांद्रा-पटना ट्रेन में अफरातफरी मचा दी। वापी, दमन, दादरा-नगर हवेली और उमरगाम इलाकों से बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समुदाय के लोग अपने वतन के लिए रवाना हो गए हैं। ट्रेन पहले से ही पूरी तरह बुक थी। जनरल कोच में भी काफी भीड़ थी। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कुछ यात्रियों को ट्रेन में प्रवेश करने के लिए आपातकालीन खिड़कियों का सहारा लेना पड़ा। वापी, सूरत, नंदुरबार और भुसावल स्टेशनों पर रेलवे प्रशासन की ओर से कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई। यात्रियों को कोई मार्गदर्शन या सहायता नहीं मिली। सामान्य टिकट धारकों के आरक्षण कोच में प्रवेश करने के कारण आरक्षित टिकट धारकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कुछ यात्री अपनी निर्धारित सीटों तक नहीं पहुंच सके।

महिला सशक्तिकरण को श्रद्धांजलि देने के लिए वलसाड में अनोखी साड़ी मैराथन

वलसाड

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए गुजरात राज्य योग बोर्ड ने एक अनूठी पहल की है। वलसाड के तिथल स्थित स्वामीनारायण मंदिर में 'नारी शक्ति को सलाम' कार्यक्रम के तहत साड़ी मैराथन का आयोजन किया गया। 9 मार्च 2025 को सुबह 6 बजे आयोजित इस मैराथन में 2500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। साथ ही, इसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें सशक्त बनाना था। यह कार्यक्रम वलसाड नगर पालिका और 15 गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया था। राज्य योग बोर्ड द्वारा दूसरी बार आयोजित यह साड़ी मैराथन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाई। इस कार्यक्रम में महिलाओं के जीवन में योग के महत्व को समझाया गया तथा उन्हें समाज में प्रेरणादायी बनाने का प्रयास किया गया। साड़ी पहनकर दौड़ती महिलाओं ने नारी शक्ति की झलक दिखाई।

दमन के कचीगाम में अज्ञात युवक का शव मिला

वापी

दमन के कचीगाम के क्लासिक इंडस्ट्रीज इलाके में रविवार को 43 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसने शव को अपने कब्जे में ले लिया और उसके माता-पिता की तलाश शुरू कर दी। मृतक की लंबाई 5 फीट 5 इंच है और वह गुलाबी शर्ट और मैरून रंग का ट्रैक पैंट पहने हुए है। इस संबंध में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से काचीगाम पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई है।

88 शिक्षकों को दिए नियुक्ति पत्र, 6 स्कूलों के नए प्रधानाचार्यों को किया सम्मानित

वलसाड

वलसाड जिले के सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती की गई है। बीएपीएस स्वामीनारायण स्कूल, अब्रामा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 88 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। इन शिक्षकों में माध्यमिक विभाग के 42 शिक्षक तथा उच्चतर माध्यमिक विभाग के 46 शिक्षक शामिल हैं। कार्यक्रम में जिले के 6 सहायता प्राप्त विद्यालयों के नवनियुक्त प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। मॉडल स्कूल मालनपाड़ा ने जिला स्तरीय सर्वश्रेष्ठ विद्यालय प्रोत्साहन पुरस्कार-2024 में नगरीय खंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रामीण वर्ग में भगिनी समाज हाई स्कूल उदवारा प्रथम तथा कल्याणी स्कूल अतुल द्वितीय स्थान पर रहा। धर्मपुर विधायक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी डा. राजेश्री टंडेल उपस्थित थीं। इस अवसर पर वलसाड जिले के विद्यालयों के शासी निकायों, प्राचार्य संघों, माध्यमिक शिक्षक संघों, उच्चतर माध्यमिक शिक्षक संघों और प्रशासनिक संघों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सांसद उमेश पटेल ने लोगों से आपत्ति याचिका दायर करने का किया आह्वान, नदी किनारे ध्वस्तीकरण की संभावना

दमन

दमन में नई नगर नियोजन योजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यह योजना नानी दमन साईं बाबा मंदिर से राजीव गांधी बीच और होटल डेल्टिन एनएच 48 बी तक के क्षेत्र में क्रियान्वित की जाएगी। यह योजना प्रशासक प्रफुल्ल पटेल और उनकी टीम द्वारा दमन गंगा नदी तट क्षेत्र में क्रियान्वित की जाएगी। प्रशासन फिलहाल इस योजना के संबंध में सुझाव और आपत्तियां मांग रहा है। इस योजना से नानी दमन में खारीवाड़, खरावड़ और राणा स्ट्रीट सहित क्षेत्र प्रभावित होंगे। दमन के सांसद उमेश पटेल ने

लोगों से सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक आपत्ति याचिकाएं प्रस्तुत करने का आह्वान किया है। स्थानीय लोगों में सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस योजना के लागू होने के बाद दमन गंगा नदी के तट पर ध्वस्तीकरण का काम शुरू हो सकता है। प्रशासक प्रफुल्ल पटेल विकास के नाम पर यह काम कर सकते हैं। यही कारण है कि सांसद उमेश पटेल ने लोगों से आपत्ति याचिका के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग करने को कहा है। ऐसी चिंताएं हैं कि इस योजना से स्थानीय निवासियों के हितों को नुकसान पहुंचेगा। सांसद उमेश पटेल के आह्वान के बाद लोगों से बड़ी संख्या में आपत्ति याचिकाएं प्रस्तुत करने को कहा गया है।

पारडी कोर्ट में आयोजित लोक अदालत में 300 मामलों का निपटारा

पारडी

आज 8 मार्च को पारडी कोर्ट में आयोजित लोक अदालत में 500 मामलों में से 300 का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बैंक से संबंधित मामलों से 33.90 लाख रुपये की वसूली हुई। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित मामले शामिल थे, जिनमें आपराधिक समझौता योग्य मामले, चेक वापसी के मामले, वैवाहिक विवाद के मामले, मुआवजा मामले, किराया और किरायेदारी से संबंधित मामले, साथ ही बैंक और बिजली कंपनी के मामले शामिल थे। आज की लोक अदालत में कुल लगभग 500 मामले प्रस्तुत किए गए। जिसमें पारडी के अतिरिक्त सिविल जज जेड जी मोडन, प्रिंसिपल सिविल जज अमित कुमार सिंह, पारडी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत पटेल, हितेश पटेल, महेश भट्ट, भार्गव पंड्या जैसे वरिष्ठ और कनिष्ठ वकील तथा धवल पटेल सहित न्यायालय कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के कारण 300 मामलों का सफलतापूर्वक सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा किया गया। लोक अदालत त्वरित और प्रभावी न्याय प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वापी मेन मार्केट रोड से अलकापुरी कस्टम कॉलोनी तक नो हॉकर्स जोन

वापी

एक दशक बाद भी वापी शहर में यातायात समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है और अब वापी नगर निगम ने देर से ही सही, इस पर कार्रवाई की है। नगर निगम ने शनिवार को मुख्य बाजार रोड, अलकापुरी-कस्टम कॉलोनी मार्ग पर नो-हॉकर्स जोन घोषित कर दिया है। नगर निगम आयुक्त ने यातायात समस्या के समाधान के लिए अधिसूचना जारी कर दी है, अब इस सड़क पर ट्रक, ठेले और चटाई ढोने वाले नहीं बैठ सकेंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि अधिसूचना का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वापी नगर निगम के लागू होने के बाद कुछ दिनों पहले ही बजट पेश किया गया था, लेकिन अब ऐसा लगता है कि नगरपालिका ने महत्वपूर्ण निर्णय लेना शुरू कर दिया है। नगर निगम ने अपना पहला सख्त फैसला लिया है। यातायात समस्या के समाधान के लिए वापी बाजार में दो सड़कों को नो हॉकर्स जोन घोषित किया गया है। नगर निगम आयुक्त योगेश चौधरी ने गुजरात प्रांतीय नगर निगम अधिनियम, 1949 की धारा 230,231 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वापी शहर क्षेत्र में प्रमुख यातायात समस्या के समाधान के लिए दो सड़कों को नो हॉकर्स जोन घोषित किया है। इसमें वापी रेलवे स्टेशन (पश्चिम) से मेन मार्केट रोड, झंडा चौक और सरदार वल्लभभाई पटेल प्रतिमा से अलकापुरी रोड और कस्टम कॉलोनी तक का क्षेत्र शामिल है। अब ट्रक चालक इन सड़कों पर ट्रक नहीं चला सकेंगे। इस घोषणा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वापी शहर में यातायात की समस्या को कम करने के लिए नगर निगम ने अपनी पहली अधिसूचना जारी कर दी है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आने वाले दिनों में इस घोषणा का क्रियान्वयन किस प्रकार होगा। वापी नगर निगम ने बाजार में 6 ट्रक और तराजू जब्त कर यातायात में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पिछले कुछ दिनों से नगर निगम द्वारा सब्जी मंडी व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों को समझाया जा रहा है। इसके साथ ही शनिवार को वापी सब्जी मंडी में 6 ट्रक और तराजू जब्त करने की कार्रवाई की गई। तो अब सड़क पर ठेला लगाने वालों में हड़कंप मच गया है। नगर निगम ने यातायात रोकथाम के लिए 6 नए ट्रैफिक वार्डन की टीम नियुक्त की है। नगर निगम और पुलिस मिलकर ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए नो हॉकर्स जोन अधिसूचना को लागू करेंगे।

वापी की एक लड़की ने 25 साल तक जिम में मेहनत करने के बाद 20 किलो वजन कम किया और अब वह दुनिया भर में उड़ान भर रही है

वापी

वापी के टंकी फलिया स्थित सनशाइन रेजीडेंसी में रहने वाले अरुण गुप्ता की बेटी खुशी जब 6 महीने की थी, तो उसके पिता ने उसे एयर होस्टेस बनाने का फैसला किया। साल्ववा स्वामीनारायण गुरुकुल से 12वीं पास करने के बाद खुशी ने एयर होस्टेस बनने के लिए मुंबई के एक निजी संस्थान में प्रशिक्षण लिया और साथ ही सेलवास के एसएसआर कॉलेज से बीकॉम भी किया। उस समय ख़ुशी का वजन 75 किलो था और उन्हें इसे कम करने के लिए कहा गया था।

इसलिए, डेढ़ साल तक जिम और डाइट प्लानिंग के बाद, उनका वजन 20 किलो कम हो गया और उनका वजन 55 किलो पर आ गया। दो साल के लगातार संघर्ष के बाद उनका चयन हुआ, गुड़गांव में 3 महीने का प्रशिक्षण पूरा किया और अगस्त 2023 में विस्तारा एयरलाइंस में नौकरी मिल गई। जिसके बाद वह 11 नवंबर 2024 को एयर इंडिया में शामिल हो गईं। वह फिलहाल मुंबई के कांदिवली में रहती हैं और सप्ताह में एक बार अपने माता-पिता से मिलने जाती हैं। ख़ुशी ने यह साबित कर दिखाया कि अगर आप दृढ़ निश्चयी हैं तो आप जो भी कल्पना करते हैं वह सब हो सकता है। हम संकट के बीच भी आगे बढ़ते रहे, ख़ुशी को एयर होस्टेस बनाते रहे। हमने तय कर लिया था कि चाहे कुछ भी हो जाए, हमें उसे एयर होस्टेस बनाना ही है, और इसी सोच के साथ हम आगे बढ़ते रहे। संकट के बीच भी ख़ुशी ने हार नहीं मानी और उसने मेरे सपनों को साकार किया।

सेल्वास बाविसा फलिया में पीने के पानी के फव्वारे

सेलवास थाने के पास पाइप लाइन टूटी होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है

सेल्वास

सेलवास के बाविसा फलिया क्षेत्र में सीवरेज लाइन और नालियों के लिए खुदाई चल रही है, जिसके कारण पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और इस क्षेत्र की महिलाएं पिछले 10 दिनों से पानी के लिए संघर्ष कर रही हैं। महिलाओं को आसपास के क्षेत्रों में जाकर नल से पानी लाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार जब तक सीवरेज व ड्रेन लाइन के लिए खुदाई का काम पूरा नहीं हो जाता है, तब तक नगर पालिका टैंकरों से पानी उपलब्ध कराए तो काफी राहत होगी। सेलवास नगर में अंधाधुंध खुदाई चल रही है, जिसके कारण पेयजल लाइन व गैस लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है। और स्थानीय महिलाएं परेशान हैं। सेलवास थाने के पास पाइप लाइन टूटी होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। वहीं बाविसा फलिया क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से पेयजल लाइन बंद होने से लोग परेशान हैं। इसलिए नगर पालिका को बार-बार बन रही पेयजल समस्या की ओर ध्यान देना जरूरी है।

दानह भूमि घोटाले में भूमि हड़प अधिनियम लागू करने की मांग

सेल्वास

शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष ने प्रशासक को दानह में बड़े पैमाने पर हुए भूमि घोटाले में कानूनी कार्रवाई करने के लिए गुजरात राज्य की तरह भूमि हड़पने अधिनियम लागू करने का प्रस्ताव दिया है। कुछ दिन पहले प्रशासन के संज्ञान में लाई गई जांच में पता चला कि भूमि राजस्व प्रशासन नियम 1971 का उल्लंघन कर बिना कलेक्टर दानह की अनुमति के वसीयत के माध्यम से कृषि भूमि को परिवार से बाहर के लोगों (गैर आदिवासी) को हस्तांतरित कर दिया गया। इस मामले में साजिश होते देख कलेक्टर दानह ने अधिसूचना जारी कर 321 वसीयतें निरस्त करने का निर्णय लिया। उद्योगों के आने के बाद जमीनों के दाम अचानक बढ़ गए, जिससे आदिवासियों की कीमती जमीनें हड़प ली गईं। इसी तरह आदिवासियों के भूमिहीन भूखंडों में बदलाव की आड़ में पड़ोसी गुजरात और महाराष्ट्र से फर्जी 7/12 की नकलें हासिल कर जमा कर ली गई हैं। इसलिए शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष श्वेतल भट्ट ने राज्य में भूमि अधिग्रहण कानून लागू करने की मांग की है।

पेशवा काल के प्राचीन तीर्थ स्थल के रुप में प्रसिद्ध बगवाड़ा गांव के 11 प्राचीन मंदिर को फीर से स्थपित किया गया

कोलक नदी के तट पर पूर्वमुखी सिद्धनाथ महादेव मंदिर है, जो लगभग 1450 वर्ष पुराना माना जाता है।

वापी

बगवाड़ा को पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाई जाएगी। बगवाड़ा एक ऐतिहासिक गांव है। खोबा जेवाड़ा की तरह इस गांव में भी आज भी सदियों पुरानी संस्कृति मौजूद है। आप इस गांव को मंदिरों के गांव के रूप में भी पहचान सकते हैं। राजसी अर्जुनगढ़ किले की तलहटी में बसे इस गांव का विकास अद्भुत है। यहां के प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को आज भी अक्षुण्ण बनाए रखने में पाठक परिवार की अहम भूमिका रही है। पाठक परिवार के रमाशंकर जगन्नाथ पाठक 30 साल तक सरपंच रहे। बगवाड़ा गांव में व्यक्तिगत रूचि लेते हुए, प्रसिद्ध इतिहासकार और पुरातत्वविद् आर.एन. मेहता और सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. बी.एन. जोशी ने बगवाड़ा गांव का दौरा किया और इसके गुप्तकालीन अवशेषों के बारे में जानकारी दी। यहां के मंदिर गुंबद के आकार के हैं, जो पीएचडी छात्रों के लिए शोध प्रबंध का विषय हो सकते हैं। क्योंकि यहां के प्रत्येक प्राचीन मंदिर का अपना अलग इतिहास है। बगवाड़ा की भौगोलिक स्थिति और प्राचीन मंदिरों के इतिहास को ध्यान में रखते हुए तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव पर वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने व्यक्तिगत रूचि दिखाई और विशेष मामले में बगवाड़ा के लिए सरकार से 3.70 करोड़ रुपए का अनुदान स्वीकृत करवाने के लिए अथक प्रयास किए। जिसके परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने वापी में बगवाड़ा के मंदिरों के जीर्णोद्धार की घोषणा की। अब आने वाले समय में बगवाड़ा की तीर्थ स्थल के रूप में एक अलग पहचान होगी और इसका पूरा श्रेय वित्त मंत्री कनुभाई देसाई को जाता है और इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।> जवाहर पाठक, उपसरपंच, बगवाड़ा केतन भट्ट | वापी- वलसाड जिले में पारनेरा, फोर्ट पारडी और वापी के पास बगवाड़ा समेत कई जगहों पर पेशवा काल की विरासत देखने को मिलती है। इस बीच, पेशवाई परगना के साथ-साथ तीर्थस्थल के रूप में लोकप्रिय वापी के पास बगवाड़ा में 11 प्राचीन मंदिरों के पुनरुद्धार का काम वित्त मंत्री कनुभाई देसाई के मार्गदर्शन में जोरों पर चल रहा है। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री ने बगवाड़ा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 3.70 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। अभी कार्य चल रहा है। वापी के निकट बगवाड़ा में गुप्त काल और पेशवा काल के मंदिर शामिल हैं। ऐतिहासिक अर्जुनगढ़ पहाड़ी की तलहटी में स्थित औलोकिक

एवं स्वयंभू अंबामाता का मंदिर तथा कोलक नदी के उत्तरी तट पर गुप्त काल यानी करीब 1450 वर्ष पुराना पूर्वमुखी सिद्धनाथ महादेव मंदिर लोगों की आस्था के प्रतीक हैं। इसके साथ ही बगवाड़ा गांव में 114 साल पुराना जैन मंदिर भी है। गांव के उपसरपंच जवाहरभाई पाठक ने गुजरात के वित्त मंत्री और पारडी विधायक कनुभाई देसाई के समक्ष इस गांव को इसके अनेक मंदिरों के कारण तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने के लिए एक प्रस्तुतिकरण दिया था। इस प्रस्तुति के बाद 15 अगस्त 2023 को वापी पुरुष अध्यापन मंदिर प्रांगण में राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने बगवाड़ा के 11 प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 1000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। 3.70 करोड़ रुपये का अनुदान घोषित किया गया। जिसके लिए वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई के प्रति आभार व्यक्त किया। 23 जून 2024 को वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया। पेशवा काल के मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य जारी है। बगवाड़ा में अंबामाताजी मंदिर, सिद्धनाथ महादेव मंदिर, भगवान अजीतनाथ जैन मंदिर, विठोबा मंदिर, केदारनाथ महादेव मंदिर, सोमनाथ महादेव मंदिर, गणपति मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, हनुमान मंदिर, अगिया वेताल मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर और बालकृष्ण मंदिर हैं। गुजरात पवित्र तीर्थ विकास बोर्ड के तत्कालीन सचिव आर. आर। रावल ने बगवाड़ा जैसे मंदिरों का भी दौरा किया।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद वलसाड में जश्न का माहौल

वलसाड

दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 251 रन बनाए। भारतीय टीम ने इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल छा गया। इसके बाद क्रिकेट प्रेमी जीत का जश्न मनाने के लिए वलसाड के आजाद चौक पर एकत्र हुए। लोगों ने पटाखे फोड़े और तिरंगा लहराया। उत्साहित प्रशंसकों ने 'भारत माता की जय', 'जय श्री राम', 'हर हर महादेव' जैसे नारे लगाए। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। फाइनल में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस जीत के साथ भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति प्रदर्शित की है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी और उत्साह का माहौल है।

चंद्रपुर के तैराकों ने लड़की को बचाया:

वलसाड तालुका की लड़की पारनदी पुल से नदी में कूदी

वलसाड

वलसाड तालुका की एक युवती अतुल के पास पारा नदी के पुराने पुल पर खड़ी होकर कुछ देर सोचने के बाद अचानक नदी में कूद गई, जिससे देखने वाले लोग हैरान रह गए। सौभाग्य से चंद्रपुर के तैराकों ने मिलकर युवती को सुरक्षित ऊपर खींच लिया, उसकी साड़ी के छोर और अन्य चीजों को फेंककर उसकी जान बचाई। घटना का पता तब चला जब वीडियो वायरल हुआ। वलसाड तालुका की एक होनहार युवती अतुलना परनाडी के पुराने, बिना बाड़ वाले पुल के किनारे खड़ी थी। बाद में वह कुछ देर वहीं खड़ी रही, इधर-उधर देखती रही

और आखिरकार नदी में कूद गई। यह देखकर आसपास के कुछ लोग दौड़कर आए। लेकिन वे असहाय थे क्योंकि नदी में पानी का बहाव बहुत तेज था। लड़की चिल्लाती रही और खुद को बचाने के लिए पानी में पंखा चलाती रही। इस बीच आसपास के ग्रामीण दौड़कर आए। लेकिन सौभाग्य से पारडी चंद्रपुर के बहादुर तैराकों ने अपनी साड़ियों के कुछ सिरे नदी के पानी में फेंक दिए। जिंदगी और मौत से जूझ रही लड़की ने साड़ियों के सिरे पकड़ लिए और मजबूत हौसले की मिसाल पेश की। लोगों ने उसे खींचकर बाहर निकाला। इस लड़की की जान बच जाने पर हर कोई हैरान रह गया। हालांकि इस संबंध में लड़की को उसके घर ले जाया गया। इस संबंध में किसी ने दूर से लड़की के पुल पर खड़े होने, नदी में कूदने और उसे बचाए जाने का वीडियो बना लिया था, जो वायरल हो गया और घटना प्रकाश में आई। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई और जानकारी नहीं दी गई।

पारनेरा डूंगर में निलंबित डाक क्लर्क ने की आत्महत्या

वलसाड

वलसाड प्रधान डाकघर से निलंबित 36 वर्षीय क्लर्क खिमजी वाघेला ने पारनेरा पहाड़ी पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसके पास से मिले सुसाइड नोट में तालगांवकर नामक डाकघर के अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उमरगाम तालुका के सरीगाम निवासी खिमजीभाई 7 मार्च को सुबह 9 बजे डाकघर के लिए निकले। जब वह घर नहीं लौटा तो परिवार ने भिलाड पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। सेलवास डाकघर में नौकरी के दौरान वित्तीय गबन के आरोपों के बाद उन्हें संभागीय कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। तभी वलसाड प्रधान डाकघर में बदलाव हुआ। उन्हें सितंबर 2024 में निलंबित कर दिया गया। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर पारनेरा डूंगर से उसका शव बरामद किया। सुसाइड नोट में उन्होंने आरोप लगाया कि पहचान पत्र का गलत इस्तेमाल करने के कारण अधिकारियों द्वारा उनका शोषण और उत्पीड़न किया जा रहा है। वलसाड ग्रामीण पुलिस ने मां काली अतुल आर्मी सेवा ग्रुप की मदद से शव को नीचे उतारा और पैनल पोस्टमार्टम कराया। पता चला है कि मृतक राज्यमंत्री कुंवरजी बावलिया का रिश्तेदार है। पुलिस ने परिवार का बयान लेने के बाद आगे की जांच शुरू कर दी है।

पारडी हाईवे ब्रिज पर हुए हादसे में वलसाड के एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

वलसाड

पारडी चार रास्ता हाईवे पुल पर मोपेड पर सवार वलसाड निवासी एक बुजुर्ग व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौत हो गई। वलसाड अब्राम धारा नगर 78/बी निवासी शैलेंद्रकुमार रमेशचंद्र मिस्त्री (उम्र 59) रविवार को कंप्यूटर की मरम्मत करवाकर पारडी से अपनी एक्टिवा मोपेड (जीजे-15-डीसी-0246) पर घर लौट रहे थे। शाम करीब 6:01 बजे पारडी चार रास्ता स्थित नेशनल हाईवे-48 पुल पर एक अज्ञात वाहन चालक ने उनकी मोपेड को पीछे से टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। जिसमें शैलेंद्र कुमार मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें आगे के इलाज के लिए पारडी सीएससी में स्थानांतरित कर दिया गया, फिर आगे के इलाज के लिए वलसाड सिविल अस्पताल और वहां से वलसाड के लोटस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां रात 10:05 बजे इलाज के दौरान शैलेंद्र कुमार मिस्त्री की मौत हो गई। मृतक के बेटे विहार ने दुर्घटना के संबंध में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ पारडी थाने में मामला दर्ज कराया है और पुलिस जांच कर रही है।

वापी नामधा रोड पर 26 सफाई कर्मचारियों की झोपड़ियों को स्वैच्छिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया

वापी

वापी सुथारवाड़ को नीलकंठ और रिंग रोड से जोड़ने वाली फोरलेन सड़क पर 26 नगरपालिका कर्मचारियों की झुग्गियां होने के कारण सड़क और सीवरेज का काम रुक गया। पहले झुग्गियां तोड़ने के विरोध पर विवाद हुआ था, लेकिन अब नगर निगम और कर्मचारियों के बीच समझौते के बाद झुग्गियां तोड़ने का काम स्वेच्छा से किया गया। जिससे आने वाले दिनों में नगर निगम की महत्वपूर्ण सड़कों का बचा हुआ काम पूरा हो जाएगा। वापी नगर निगम सुथारवाड़ से रिंग रोड होते हुए नामधा की ओर चार लेन की सड़क का निर्माण कार्य कर रहा है। यह सड़क वाहन चालकों को बहुत अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, लेकिन नामधा मार्ग पर लगभग 26 सफाई कर्मचारियों की झुग्गियों के कारण काम रोक दिया गया था। सड़क और सीवरेज का काम रुका होने के कारण नगर निगम ने सफाई कर्मचारियों को झुग्गी हटाने के लिए सूचित किया था, लेकिन जब ठेकेदार के सफाई कर्मचारियों ने दबाव कम करने से इनकार कर दिया तो विवाद खड़ा हो गया। फिर कुछ दिन पहले नगर निगम आयुक्त योगेश चौधरी ने मौके पर पहुंचकर सफाई कर्मचारियों से आमने-सामने बातचीत की थी, जिसमें आयुक्त ने नगर निगम में नए कर्मचारी रखने, उन्हें अधिक न्यूनतम वेतन देने और उन्हें झुग्गी-झोपड़ी की जगह दूसरी जगह शिफ्ट करने की बात कही थी।

धरमपुर के बारसोल में युवक-युवती की आत्महत्या

धरमपुर

वलसाड जिले के धरमपुर तालुका के बारसोल गांव में एक युवक और एक युवती ने आत्महत्या कर ली है। दोनों के शव आम के बगीचे में लटके मिले। घटना का पता उस समय चला जब एक युवक खेत में पानी लगाने गया था। उन्होंने सचिनभाई अहीर के आम के बगीचे में दो शव देखे। इसलिए उन्होंने तुरंत गांव के सरपंच प्रभातभाई मगनभाई को इसकी सूचना दी। मृतक दंपत्ति की पहचान मुकेशभाई रायसिंहभाई पटेल (36) और उर्वशीबेन गमनभाई पटेल (35) के रूप में हुई है। दोनों ने नायलॉन की रस्सी से आम के पेड़ पर फांसी लगा ली थी। पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से शवों को नीचे उतारा गया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए धरमपुर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने परिवार के सदस्यों के बयान ले लिए हैं और आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे गांव में शोक की भावना फैल गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह कदम प्रेम प्रसंग के चलते उठाया गया या कोई अन्य कारण है।

बलीठा रोड पर पता पूछने के बहाने लूट करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया।

वापी

वलसाड जिला पुलिस को वापी टाउन थाना क्षेत्र में हुई डकैती के मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 1 मार्च को शाम 7:15 बजे एक व्यक्ति बलीथा कब्रिस्तान रोड पर मोटरसाइकिल चला रहा था। चार अज्ञात लोगों ने उसका पता पूछने के बहाने उसे रोका। आरोपियों ने शिकायतकर्ता से उसका मोबाइल फोन, नकदी और एटीएम कार्ड लूट लिया। इसके अतिरिक्त, जबरन बैंक खाते का विवरण प्राप्त करके कुल 73,450 हस्तांतरित कर दिए गए। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. करणराज वाघेला के निर्देश और डीएसपी बी.एन. डेव के मार्गदर्शन में जांच शुरू की गई। एलसीबी पीआई उत्सव बारोट और वापी टाउन पीएसआई के.जे. राठौड़ के नेतृत्व में वलसाड जिला पुलिस की एक टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से आरोपी की पहचान की। पुलिस ने दमन निवासी देवव्रतसिंह उर्फ सोनू कायमसिंह यादव (21) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान उसने शशिकांत उर्फ शाहरुख, प्रिंस कुमार, अर्पित और अंकित के साथ मिलकर अपराध करना कबूल किया। पुलिस ने डकैती में लूटी गई सोने की अंगूठी जब्त कर ली है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जांच जारी है।

समुद्री सुरक्षा कवच के तहत मॉक ड्रिल

वलसाड के कोसांबा दिवादंडी गांव में पुलिस ने फर्जी आतंकवादियों को पकड़ा

वलसाड

वलसाड के कोसांबा तट पर दिवाडांडी गांव में समुद्र सुरक्षा कवच के तहत एक महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में एक संदिग्ध नाव में तीन नकली आतंकवादी छिपे हुए थे। वलसाड जिला पुलिस प्रमुख डॉ. यह मॉक ड्रिल करणराज वाघेला के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। सूचना मिलने पर वलसाड सिटी पीआई दिनेश परमार और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों को पकड़ लिया। आतंकवादियों के पास से आरडीएक्स, एके-47 और पिस्तौल जैसे हथियार बरामद किए गए। मॉक ड्रिल के तहत वलसाड जिले के 70 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र में मछुआरों और स्थानीय नेताओं से संपर्क किया गया। उनसे समुद्र में अवैध गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचना देने को कहा गया। इस मॉक ड्रिल के दौरान वाहनों की जांच और तट के किनारे सुनसान इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया गया। स्थानीय लोगों ने यह जानकर राहत की सांस ली कि यह एक मॉक ड्रिल थी। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य तटीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा मछुआरों को संदिग्ध गतिविधियों के प्रति जागरूक करना था।

महिंद्रा थार कार से 528 बोतल विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार, दूसरा फरार

वलसाड

होली-धुलेटी त्यौहारों से पहले वलसाड जिला स्थानीय अपराध शाखा ने काफी काम किया है। पुलिस ने एक महिंद्रा थार कार से 528 बोतल विदेशी शराब जब्त की है। वलसाड एसपी डॉ. यह कार्य करणराज वाघेला और एलसीबी पीआई उत्सव बारोट के मार्गदर्शन में किया गया। एलसीबी के एच.ई.सी. ओम प्रकाश सिंह

राजपूत को सूचना मिली कि काले रंग की महिंद्रा थार (आरजे-60-सीसी-4348) में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पारडी चौराहे के पास ओवरब्रिज के नीचे निगरानी स्थापित की गई। पुलिस ने संदिग्ध कार को रोका और जांच की। कार के पीछे भारत में निर्मित विदेशी शराब की 18 पेटियां पाई गईं। इस बक्से में कुल 528 बोतलें/टिन (202.560 लीटर) शराब थी। पुलिस ने चालक अरविंद श्याम बहादुर यादव (उम्र 32, निवासी प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि कार क्लीनर पवन सिंह अभी भी फरार है। जब्त शराब की कीमत 15 लाख रुपए है। 43200 और कार की कीमत रु. यह 10 लाख है. वलसाड एलसीबी टीम ने सामान जब्त कर लिया है और पारडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

वापी महानगरपालिका में 11 गांवों के विरोध में चौथी बार आंदोलन: नेतागिरी या हकीकत?

वापी

वलसाड़ जिले की वापी महानगरपालिका में सम्मिलित किए गए 11 गांवों के विरोध में चौथी बार आंदोलन हुआ। वांसदा के विधायक और आदिवासी नेता अनंत पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने महानगरपालिका कार्यालय के बाहर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि महानगरपालिका में शामिल होने से ग्रामीणों को अतिरिक्त कर और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले भी तीन बार विरोध प्रदर्शन किए जा चुके हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई समाधान नहीं दिया गया है। अनंत पटेल और स्थानीय ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि महानगरपालिका प्रशासन द्वारा बातचीत नहीं की गई, तो आंदोलन और भी उग्र होगा।

महानगरपालिका में सम्मिलित होने के फायदे और नुकसान

वापी महानगरपालिका में आसपास के गांवों को शामिल करने की प्रक्रिया लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। इस संदर्भ में नामधा और चंडोर ग्राम सभाओं में सर्वसम्मति से महानगरपालिका में शामिल न होने का प्रस्ताव पारित किया गया है। लेकिन क्या यह विरोध वाकई जनहित में है या केवल राजनीतिक खेल? इस मुद्दे पर दोनों पक्षों को समझना जरूरी है।

महानगरपालिका में शामिल होने के फायदे

1. **बेहतर बुनियादी सुविधाएं:** सड़क, पानी, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, और कचरा प्रबंधन जैसी सेवाओं में सुधार होने की संभावना है।
2. **सरकारी योजनाओं का लाभ:** शहरी क्षेत्रों को केंद्र और राज्य सरकारों से अधिक फंड और विकास परियोजनाओं का लाभ मिलता है।
3. **व्यवसाय और रोजगार के अवसर:** व्यापार, उद्योग और छोटे व्यवसायों के लिए नए अवसर उत्पन्न होते हैं।
4. **शहरीकरण के लाभ:**शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी सुविधाओं में सुधार होगा, साथ ही संपत्ति का मूल्य बढ़ सकता है।

VS

महानगरपालिका में सम्मिलित होने के नुकसान:

1. **ग्राम पंचायत का अधिकार समाप्त:** गांवों की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी और सभी फैसले नगर प्रशासन करेगा।
2. **बढ़े हुए कर और शुल्क:** संपत्ति कर, जल कर, और अन्य शुल्क ग्रामीणों के लिए आर्थिक बोझ बन सकते हैं।
3. **ग्रामीण पहचान का नुकसान:** शहरीकरण के कारण पारंपरिक जीवनशैली और सांस्कृतिक पहचान खोने का खतरा रहेगा।
4. **संपत्ति विवाद और अधिग्रहण:** सरकारी योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की संभावना बढ़ जाएगी।
5. **भ्रष्टाचार और राजनीति:** महानगरपालिका में राजनीति और भ्रष्टाचार का प्रभाव बढ़ सकता है।

जनता को चाहिए तटस्थ नजरिया

ग्रामीणों को चाहिए कि वे केवल राजनीतिक नारों पर भरोसा न करें, बल्कि तथ्यों और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर निर्णय लें। महानगरपालिका में शामिल होने के फायदे और नुकसान दोनों हैं, लेकिन डर और अफवाहों के बजाय तार्किक तरीके से सोचने की जरूरत है।

- यदि कर बढ़ेंगे, तो क्या सुविधाएं भी बेहतर मिलेंगी?
- यदि प्रशासन का नियंत्रण बढ़ेगा, तो क्या गांवों में भी व्यवस्थित विकास होगा?
- क्या ग्राम पंचायतें विकास योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन जुटा सकती हैं?

विरोध: जनहित या राजनीतिक मंच तैयार करने की कोशिश?

ग्रामीणों की चिंता वाजिब है अधिक कर, प्रशासनिक पेचीदगियां, और पारंपरिक स्वायत्तता का नुकसान। लेकिन सवाल यह है कि यह विरोध वास्तव में जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हो रहा है या यह सिर्फ राजनीतिक मंच तैयार करने का एक तरीका है?

नेताओं की दोहरी नीति:

1. नेता खुद शहरी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं:* जो नेता ग्रामीणों को महानगरपालिका में शामिल होने से मना कर रहे हैं, वे खुद शहरी क्षेत्रों में रह रहे हैं और वहां की सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।
2. ग्रामीण हितैषी होने का दावा, लेकिन समाधान नहीं:* यदि यह नेता वास्तव में ग्रामीणों की भलाई चाहते हैं, तो वे सिर्फ विरोध तक सीमित क्यों हैं? क्या वे कोई ठोस समाधान देने में सक्षम हैं?
3. चुनावी राजनीति का हिस्सा:* कहीं यह विरोध आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है? क्या यह सिर्फ समर्थन जुटाने और ग्रामीणों को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने की रणनीति तो नहीं?

विरोध: जनहित या राजनीति?

ग्रामीणों की प्रमुख चिंता यह है कि वे अपनी ग्राम पंचायतों की स्वायत्तता खो देंगे और महानगरपालिका के टैक्स सिस्टम में फंस जाएंगे। हालांकि, सवाल यह भी उठता है कि क्या यह विरोध वास्तव में ग्रामीणों के हित में है, या फिर यह नेताओं की राजनीति और दोहरी नीति का हिस्सा है

-क्या विरोध करने वाले नेता खुद शहरी सुविधाओं का लाभ नहीं लेते?

- क्या वे वास्तव में ग्रामीणों की भलाई के लिए लड़ रहे हैं, या सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं?
- अगर महानगरपालिका ग्रामीणों के लिए इतनी हानिकारक है, तो अन्य गांवों में इसे क्यों स्वीकार किया गया?

आगे की राह:

इस मुद्दे का स्थायी समाधान प्रशासन और ग्रामीणों के बीच खुली बातचीत से ही संभव है। यदि सरकार सच में गांवों का विकास चाहती है, तो उसे ग्रामीणों की चिंताओं को सुनना चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। वहीं, ग्रामीणों को भी तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक नारों के आधार पर।

निष्कर्ष:

महानगरपालिका में शामिल होना या न होना, यह कोई छोटा निर्णय नहीं है। यह फैसला केवल विकास को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि स्थानीय जनता की आकांक्षाओं और अधिकारों के आधार पर किया जाना चाहिए। ग्रामीणों को चाहिए कि वे नेताओं की राजनीति से बचें और अपने भविष्य के लिए ठोस निर्णय लें।

अंतिम विचार: समाधान आंदोलन से नहीं, संवाद से मिलेगा

महानगरपालिका में शामिल होना या न होना एक दीर्घकालिक निर्णय है, जिसे केवल भावनात्मक आक्रोश से तय नहीं किया जाना चाहिए। विरोध के बजाय, प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सार्थक संवाद जरूरी है। सिर्फ नारों और धरनों से समाधान नहीं निकलता, बल्कि ठोस रणनीतियों की जरूरत होती है।
ग्रामीणों को चाहिए कि वे इस मुद्दे को सिर्फ राजनीतिक चश्मे से न देखें, बल्कि अपने भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सही निर्णय लें।

वापी में जबरन भीख मंगवाने के लिए हत्या

विरोध करने पर बेरहमी से पीटा, 19 वर्षीय मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वापी

वापी शहर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति को अपंग बनाकर जबरन भीख मंगवाने की साजिश के तहत पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर *मुख्य आरोपी 19 वर्षीय आदर्श उर्फ आदू रामशेठ अमरिया भोसले (महाराष्ट्र)* को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो नाबालिग आरोपियों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने *चंद घंटों में इस हत्याकांड का खुलासा* कर दिया।

खुली जगह में मिला शव, पुलिस ने तुरंत शुरू की जांच

यह घटना सहारा मार्केट के सामने रिलायंस कंपनी की खुली जमीन पर हुई, जहां 40-45 वर्षीय अज्ञात पुरुष का शव मिला। सुरक्षागार्ड जीवाला भाई कुरकुटिया की शिकायत पर वापी टाउन पुलिस ने जांच शुरू की।

CCTV और तकनीकी जांच से हत्या का खुलासा

वलसाड SP डॉ. करणराज वाघेला और सूरत IGP प्रेम वीर सिंह* के मार्गदर्शन में पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया। CCTV फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। शुरुआती जांच में संदिग्ध भिखारी जैसे नजर आए, जिसके बाद पुलिस ने *रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और फुटपाथ पर गहन तलाशी अभियान चलाया।

तीन आरोपी पकड़े गए, कबूला जुर्म

वापी रेलवे स्टेशन के बाहर से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में मुख्य आरोपी आदर्श भोसले और दो नाबालिगों ने कबूल किया कि वे मृतक को अपंग बना कर जबरन भीख मंगवाना चाहते थे। जब मृतक ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने लकड़ी के डंडों से उसे बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मामले का किया खुलासा, आगे की जांच जारी

वापी पुलिस ने मुख्य आरोपी और दोनों नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल थे।

भाजपा महिला मोर्चा एवं दामिनी वूमेंस फाउंडेशन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, आयोजित किया फ्री हेल्थ चेकअप कैंप

दमन

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा एवं दामिनी वूमेंस फाउंडेशन ने आज अपने कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं वित्तीय सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए फ्री चेकअप कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं का कोलेस्ट्रॉल टेस्ट नि:शुल्क किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 7 मार्च को सिलवासा आगमन के कारण 8 मार्च को महिला दिवस नहीं मनाया गया, जिसके चलते आज यह आयोजन किया गया।

अंगदान जागरूकता अभियान

कार्यक्रम में अंगदान के महत्व पर भी एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अंगदान की प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

महिला बचत योजनाओं का लाभ

इस अवसर पर डाक विभाग द्वारा चलाई जा रही 'सुकन्या समृद्धि योजना' के तहत 1 से 10 वर्ष की बालिकाओं के खाते खोले गए। इस योजना के तहत पहले इंस्टॉलमेंट का भुगतान भाजपा महिला मोर्चा एवं दामिनी वूमेंस फाउंडेशन की अध्यक्षा सिंपल कांटेला द्वारा किया गया। इसके अलावा, 'महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट' योजना के तहत महिलाओं को निवेश के लाभ बताए गए। इस स्कीम में महिलाएं 1000 से लेकर 100000 तक की फिक्स्ड डिपॉजिट कर सकती हैं, जिसका लाभ कई महिलाओं ने उठाया।

अध्यक्षा सिंपल कांटेला का जन्मदिन भी मनाया गया

इस आयोजन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा एवं दामिनी वूमेंस फाउंडेशन की अध्यक्षा सिंपल कांटेला का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक महिलाओं को लाभ उठाना चाहिए। यह स्कीम 31 मार्च तक जारी रहेगी, अत: महिलाओं से अपील की गई कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लें।

दानह में पेट्रोल पंप से 4.89 लाख रुपए के कूपन चोरी का पर्दाफाश, 2 गिरफ्तार

सेल्वास

दानह पुलिस ने फलंदी स्थित नंदन पेट्रो कैंप लिमिटेड से कूपन चोरी करने के आरोप में दादर, मुंबई से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने करीब 4.89 लाख रुपये के कूपन चोरी करने की साजिश का भंडाफोड़ किया है। 29 जनवरी 2025 को नंदन पेट्रोकेम लिमिटेड, फलंदी में काम करने वाले एक कर्मचारी ने पुलिस को सूचना दी कि कंपनी द्वारा ग्राहकों को बेचे जाने वाले तेल के डिब्बों के साथ आने वाले कूपन चोरी हो गए हैं। ये कूपन 10 रुपये से लेकर 200 रुपये तक के थे। चोरी की जानकारी मिलने पर सायली पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 331(4) और 305बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच की गई। जांच के दौरान कंपनी के सभी कर्मचारियों से पूछताछ की गई और चोरी हुए कूपन को ट्रैक करने के प्रयास में पुलिस की एक टीम भिवंडी और मुंबई में उन जगहों पर पहुंची जहां कूपन स्कैन किए गए थे और आरोपी कुलदीप को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले भी इसी कंपनी में काम कर चुका है और पैसे के बदले कूपन लेना जानता है। कुलदीप ने कबूल किया कि कूपन चुराने वाला दूसरा आरोपी शिवकुमार है, जो इस समय कंपनी में ही काम करता है। उसने कूपन चुराकर कुलदीप को भेजे थे, जिसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों ने मिलकर चोरी किए गए कूपन की कीमत 4,89,850 रुपये से लेकर पैसे तक बदले। गिरफ्तार आरोपियों में शिवकुमार, 20 वर्ष, वर्तमान में अथोल निवासी, मूल रूप से सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश का निवासी और कुलदीप, 22 वर्ष, वर्तमान में दादर, शिवाजी नगर, नवी मुंबई का निवासी, मूल रूप से देवगाम, अयोध्या, उत्तर प्रदेश का निवासी है। आरोपियों के पास से 8400 रुपये के 84 कूपन और कूपन के क्यूआर कोड की फोटो वाले दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। सायली पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कूपन चोरी मामले के दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करने की कोशिश कर रही है। इस चोरी में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की भी जांच की जाएगी।

दमन में कुल्हाड़ी से हमला कर युवक की हत्या का प्रयास

दमन

दमन में चिकन खरीद रहे एक युवक पर पिता-पुत्र ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। युवक कार लेकर घर भाग गया। पीछा करने और हमले के दौरान कार की खिड़की टूट गई। जिसमें युवक ने पिता-पुत्र के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। नानी दमन के मोटी वाकड स्थित स्कूल फलिया निवासी 28 वर्षीय केवल नागिनभाई पटेल की पहचान 13 दिसंबर 2024 को दमन की एक युवती से हुई थी। जिसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया और कुंटा में शादी के कागजात तैयार किए। लेकिन जब शादी रद्द हो गई तो दोनों ने अपनी मर्जी से शादी न करने का फैसला किया, अपने परिवारों के साथ समझौता कर लिया और अलग-अलग रहने लगे। जिसके बाद 9 मार्च 2025 को जब केवल अपनी कार लेकर चिकन खरीदने के लिए कुंड फलिया के पास कोस्टल हाईवे पर गया तो अरविंद और प्रिंस नाम के दो लोग उसके पास आए, उसके साथ गाली-गलौज की और उसे बाहर निकलने को कहा। कार की खिड़की बंद करते समय केवल पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। तो घर की ओर भाग रही कार का पीछा करते हुए शीशे पर कुल्हाड़ी से वार भी किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित ।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।